कुण्डलपुर

नाम एवं पता	**श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, कुण्डलपुर जिला – नालन्दा, (बिहार) पिन – 803 111**		
टेलीफोन	06112–281893, नद्यावर्त महल : 06112–281846 मो.: 09431022376		
क्षेत्र पर उपलब्ध सुविधाएँ	आवास	कमरे (अटैच बाथरूम) – 8 हाल – 1	(बिना बाथरूम) – 13 गेस्ट हाऊस –×
		यात्री ठहराने की कुल क्षमता – 150	
	भोजनशाला	नहीं	
	औषधालय	नहीं	**पुस्तकालय** – नहीं
	विद्यालय	नहीं	**एस.टी.डी./पी.सी.ओ.** – नहीं
आवागमन के साधन	रेलवे स्टेशन	नालन्दा – 4 कि.मी.	
	बस स्टेण्ड	नालन्दा – 4 कि.मी.	
	पहुँचने का सरलतम मार्ग	बिहार शरीफ बस स्टेण्ड से राजगिर जाने वाली बस से नालन्दा उतरकर बड़गाँव आना, जहाँ से कुण्डलपुर आधा कि.मी. पर है।	
निकटतम प्रमुख नगर	बिहार शरीफ – 16 कि.मी. (पूर्व दिशा में)		
प्रबन्ध व्यवस्था	संस्था	श्री दिग. जैन तीर्थ क्षेत्र कुण्डलपुर (बिहार प्रान्त तीर्थक्षेत्र कमेटी)	
	अध्यक्ष	श्री साहू शरदकुमार जैन, मुम्बई (022–22871914)	
	मंत्री	श्री अजयकुमार जैन, आरा, पटना (093343 96920) श्री विरेन्द्र कुमार जैन, आरा	
	प्रबन्धक	श्री जगदीश जैन (06112–281893, 09431060129)	

क्षेत्र का महत्व

क्षेत्र पर मन्दिरों की संख्या : **01 + 05 = 6 (चरण पादुका श्री कमलदहजी निर्वाण स्थली)**

क्षेत्र पर पहाड़ : **नहीं**

ऐतिहासिकता : प्राचीन धार्मिक मान्यतानुसार भगवान महावीर की गर्भ व जन्म कल्याणक भूमि। सदियों से जन–जन की आस्था एवं श्रद्धा के केन्द्र के रूप में भ. महावीर की जन्मभूमि के रूप में पूज्य है। लगभग 150 वर्ष पूर्व जीर्णोद्धरित इस मन्दिर में प्रतिवर्ष असंख्य तीर्थयात्री दर्शनार्थ आते हैं। क्षेत्रीय जनता श्रद्धापूर्वक भगवान महावीर का वन्दन जन्मभूमि में आ कर करती है। यहाँ पर भगवान महावीर 2600 वाँ जन्म जयंती महोत्सव की स्मृति में कीर्ति स्तम्भ बनाया गया है।

विषेश जानकारी : नंद्यावर्त महल – पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से भगवान महावीर की जन्मभूमि के विकास की श्रृंखला में दि. जैन त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर द्वारा नंद्यावर्त महल परिसर का विकास किया गया है।

समीपवर्ती तीर्थक्षेत्र राजगिर – 15 कि.मी., पावापुरी–25 कि.मी., नालन्दा, विश्वविधालय (खडंहर) एवं संग्रहालय–2 कि.मी., गुणवाँ–45 कि.मी., सम्मेदशिखर – 225 किमी.